

# बच्चों के समग्र विकास की नींव रखना



बहुस्तरीय, गतिविधि और सवाल-जवाब आधारित शिक्षा के माध्यम से निम्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने का लक्ष्य

- शारीरिक और भौतिक विकास
- संज्ञानात्मक विकास
- समाज-संवेगात्मक-नैतिक विकास
- सांस्कृतिक/कलात्मक विकास
- संचार के लिए प्रारंभिक भाषा का विकास
- साक्षरता और संख्या ज्ञान



सामाजिक क्षमताओं, संवेदनशीलता, अच्छे व्यवहार, शिष्टाचार, नैतिकता, व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वच्छता, टीम वर्क और सहयोग को विकसित करने पर ध्यान

## प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) सुविधाओं का सुदृढीकरण



चरणबद्ध तरीके से सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित जिलों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई तक सभी की पहुंच



निम्न विस्तृत संस्थानों के माध्यम से ईसीसीई सुनिश्चित की जाएगी जैसे:-

- स्टैंड-अलोन आंगनबाड़ी केंद्र
- प्राथमिक विद्यालयों के साथ सह-आंगनबाड़ी केंद्र
- प्री-प्राइमरी, जो कम से कम 5 से 6 वर्ष पूरा करेंगे और प्राथमिक विद्यालयों के साथ स्थित होंगे
- स्टैंड-अलोन प्री-स्कूल



ईसीसीई के पाठ्यक्रम और शिक्षण में विशेष प्रशिक्षित कर्मचारियों/ शिक्षकों को भर्ती करेंगे

## आंगनवाड़ी केंद्रों का सुदृढीकरण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित



आंगनवाड़ी केंद्रों को उच्चतर गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, खेलने के उपकरण और पूर्ण रूप से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों/ शिक्षकों के साथ मजबूत किया जाएगा



आंगनवाड़ी केंद्रों से प्राथमिक विद्यालयों में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए बच्चों को स्थानीय प्राथमिक विद्यालयों के दौरे पर ले जाया जाना चाहिए



आंगनवाड़ी को स्कूल परिसरों में पूरी तरह से एकीकृत किया गया और आंगनवाड़ी बच्चों, माता-पिता और शिक्षकों को स्कूल के कार्यक्रमों में परस्पर भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा

## प्रीपेटरी कक्षा के लिए मजबूत नींव की स्थापना



5 वर्ष की कम आयु वाला प्रत्येक बच्चा एक प्रारंभिक कक्षा या बालवाटिका में भाग लेगा (जो, कक्षा 1 से पहले हो). जिसमें ईसीसीई योग्य शिक्षक तैनात होंगे



मिड-डे मील कार्यक्रम का लाभ अब प्राथमिक कक्षाओं के साथ-साथ प्रीपेटरी कक्षाओं तक विस्तारित किया जाएगा



स्वास्थ्य की निगरानी और जांच आंगनबाड़ी के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा



एनसीईआरटी संज्ञानात्मक व साइकोमोटर क्षमताओं और प्रारंभिक साक्षरता तथा संख्या ज्ञान के विकास को ध्यान में रख कर एक खेल आधारित शिक्षण पैकेज विकसित कर रहा है

## उच्चतर गुणवत्ता वाले शिक्षकों का व्यवसायिक विकास (1/2)



12वीं और उससे अधिक की योग्यता वाली आंगनबाड़ी शिक्षकों को 6 महीने का प्रमाणपत्र और ईसीसीई में कम शैक्षणिक योग्यता वाले शिक्षकों को 1 वर्ष का डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा



डिजिटल/डिस्टेंस मोड के माध्यम से डीटीएच चैनल और स्मार्टफोन का उपयोग करके प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा



शिक्षा विभाग के क्लस्टर रिसोर्स सेंटर द्वारा प्रशिक्षण के मूल्यांकन के लिए कम से कम एक मासिक कक्षा भी चलाएगा

## उच्चतर गुणवत्ता वाले शिक्षकों का व्यवसायिक विकास (2/2)



राज्य सरकार द्वारा ईसीसीई के लिए योग्य शिक्षकों के कैडरों को विकसित किया जाएगा। इसके लिए सरकार द्वारा उन्हें चरणबद्ध तरीके से व्यवसायिक प्रशिक्षण, मार्गदर्शन की व्यवस्था और कैरियर मैपिंग के जरिए प्रशिक्षण दिए जाएंगे



शिक्षकों की प्रारंभिक व्यावसायिक तैयारी एवं उसके सतत विकास के लिए उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी



ईसीसीई आदिवासी बहुल क्षेत्रों की आश्रमशालाओं और चरणबद्ध तरीके से वैकल्पिक स्कूली शिक्षा के सभी स्वरूपों में भी शुरू किया जाएगा

# ईसीसीई की योजना और कार्यान्वयन



ईसीसीई पाठ्यक्रम और शिक्षण-विधि की निरंतरता की जिम्मेदारी (पूर्व-प्राथमिक विद्यालय से प्राथमिक विद्यालय तक) शिक्षा मंत्रालय की रहेगी



ईसीसीई पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन शिक्षा मंत्रालय, महिला और बाल विकास, स्वास्थ्य मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा



स्कूली शिक्षा में ईसीसीई के सुचारू एकीकरण के सतत मार्गदर्शन के लिए एक विशेष संयुक्त टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा

# कार्यान्वयन योजना: पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा (1/2)



एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा विकसित किया जाएगा



प्री-स्कूल के 3 वर्षों के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम पहले से ही एनसीईआरटी द्वारा विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास है



राज्यों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों को पाठ्यक्रम में उन्मुख किया जाएगा



कक्षा 1 और 2 पाठ्यक्रम को आने वाले समय में अपवर्ड लिंक प्रदान किया जाएगा



# कार्यान्वयन योजना: पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा (2/2)



राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा एनसीईआरटी विकसित करेगा तथा 8 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए ईसीसीई को दो भागों में विभाजित किया जाएगा

- 0-3 वर्ष के बच्चों के लिए एक सब-फ्रेमवर्क
- 3-8 साल के बच्चों के लिए एक अन्य सब-फ्रेमवर्क



बच्चों की प्रगति और कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर नजर रखने के लिए निगरानी तंत्र की व्यवस्था विकसित की जाएगी



‘प्री स्कूल शिक्षा कार्यक्रम पर दिशानिर्देश’ पर एनसीईआरटी दस्तावेज को आंगनबाड़ी केंद्रों और प्रीस्कूल केंद्रों द्वारा उपयोग किया जाएगा

# क्षमता निर्माण और शिक्षकों का सशक्तिकरण



प्री स्कूली शिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण पैकेज एनसीईआरटी द्वारा विकसित किया जा रहा है



प्रशिक्षण पैकेज में मानकीकृत मॉड्यूल, पावर प्वाइंट प्रस्तुतियां और लघु फिल्म है,



यह पैकेज प्री स्कूली शिक्षकों के अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए होगा



इस सामग्री को आवश्यकता के अनुसार संदर्भित किया जा सकता है और राज्य अपनी आवश्यकता के अनुसार इसमें बदलाव कर सकते हैं

# संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ बनाने की पहल



श्रमशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए एससीईआरटी / डीआईईटी / एमएलटीटीसी की मौजूदा क्षमताओं को मजबूत बनाया जाएगा



राज्य अपनी ईसीसीई सेल या राज्य-विशिष्ट अनुसंधान हेतु संसाधन केंद्र विकसित करेंगे जो स्थानीय विशिष्ट शिक्षण-सामग्री विकसित करने और प्रशिक्षण में मदद प्रदान करेगा



एससीईआरटी के सहयोग से एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को प्रासंगिक बनाएगा, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक गतिविधियों, ईसीसीई कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करेगा

# ईसीसीई के सफल कार्यान्वयन हेतु हितधारकों की भागीदारी



बच्चों की देखभाल, पौष्टिक आहार, प्रारंभिक शिक्षा की आवश्यकता आदि पर अभिभावक शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे



स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा आदि के विभिन्न विषयों पर मंत्रालयों, विभागों के बीच समन्वय और अभिसरण



बुनियादी स्तर पर शिक्षा की शुरुआत और पेश करने के लिए नियामक ढांचा विकसित किया जाएगा



सफल पहलों से सीखने और अनुभव साझा करने के लिए सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं का आयोजन